विचार बिन्दु

मस्तिष्क इन्द्रियों की अपेक्षा महान है, शुद्ध बुद्धिमत्ता मस्तिष्क से महान है, आत्मा बुद्धि से महान है, और आत्मा से बढकर कुछ भी नहीं है।

–स्वामी शिवानंद

तकनीक के दुरुपयोग का बड़ा उदाहरण है पेजर अटैक

संवाद का माध्यम पेजर का युद्ध के नए हथियार के रुप में सामने आना बेहद चिंताजनक होने के साथ ही भविष्य में नए तरीके के युद्ध का नया संकेत बनकर सामने आ रहा है। लेबनान में हजारों पेजरों में एक साथ विस्फोट से यह भी साफ हो गया है कि इलेक्ट्रोनिक डिवाइसों का उपयोग विनाश, आतंक फैलाने या इसी तरह की दूसरी गतिविधियों के लिए भी किया जा सकता है। लेबनान में एक साथ हजारों की संख्या में पेजरों में विस्फोट को लेकर संभावनाओं का बाजार गर्म है। होने में तो यह एक तरह का साइबर अटैक है पर चूंकिं अभी आरंभिक स्थिति है ऐसे में कयास यह लगाये जा रहे हैं कि या तो डिवाइस को हैक करके यह कार्रवाई की गई है या फिर पेजर जहां से खरीदे गए हैं वहां से ही इसमें कोई विस्फोटक प्लांट किया गया है और जिसका परिणाम मौत और हताहतों के रुप में सामने आ रहा है। करीब एक दर्जन से अधिक की मौत की शुरुआती जानकारी के साथ ही 3 हजार से अधिक लोगों के घायल होने के समाचार है। ईरानी राजदूत सहित करीब 500 लोगों को अपनी आंख गवानी पड़ी है। जानकारों के अनुसार एक तरह से इसे इलेक्ट्रोनिक वॉरफायर भी कहा जा सकता है। हांलाकि इस घटना के लिए इजरायल पर निशाना साधा जा रहा हैं वहीं पेजर सप्लाई करने वाली ताइबान की कंपनी भी शक के दायरें में हैं।

ईरान समर्थित हिज्जबुल्ला संगठन हमास पहले से ही इस तरह की घटना के प्रति इस मायने में सावचेत था कि उसे यह शक था कि सेलफोन के माध्यम से इस तरह की घटना के साथ ही हमास की गतिविधियों की जासूसी संभावित है। ऐसे में हमास ने अपने प्रमुख समर्थकों को पेजर का उपयोग करने की ही सलाह दी इुई थी। पिछले दिनों ही ताइबान से 5000 पेजर मंगवाये गये थे। यह कयास लगाया जा रहा है कि पेजर सप्लाई करने से पहले उसमें कोई इस तरह की चिप इंप्लांट कर दी गई थी जो एक निश्चित तापमान पर आते ही विस्फोट हो जाए। दूसरी और यह भी कयास है कि पेजर को हैक करके बेटरी का तापमान बढ़ाकर विस्फोट किया गया हो। जो भी हो पर यह तकनीक के दुरुपयोग की श्रेणी में ही आएगा। हांलाकि ताईबान की निर्माता कंपनी के सू चिंग कुआंग ने पेजर में पहले से कोई विस्फोटक इंप्लांट होने की बात को सिरे से खारिज किया है। इलेक्ट्रोनिक वॉरफेयर की संभावनाओं को इससे समझा जा सकता है कि हिज्जबुल नेता हसन नसरुल्लाह ने सेलफोन के उपयोग ना करने के लिए अपने सकर्थकों को सतर्क कर रख था।यही कारण था संगठन के बीच संवाद का माध्यम पेजर ही था। लेबनान के लोग अभी तक यह नहीं भूले हैं कि 6 मार्च, 1966 को हमास नेता याह्या अब्बाश को फोन कॉल विस्फोट कर उड़ा दिया था। कहने को तो यह भी कहा जा रहा है रुस यूक्रेन युद्ध के दौरान यूक्रेन द्वारा मोबाइल फोन में विस्फोट कर रुसी सैनिकों को मौत के घाट उतारने का दावा यूक्रेन द्वारा किया गया।

संचार क्रांति के चलते क्या गरीब और क्या अमीर सभी के पास एंड्रोइड मोबाइल आम है। इसके साथ ही कंम्प्यूटर, टेबलेट्स, नोटबुक, लेपटॉप आदि का उपयोग आम है और इनको हैक किया जाना तो आसान माना जाता है। पिछले दिनों जिस तरह से माइक्रोसॉफ्ट को चंद समय के लिए हैक कर दिया गया था या सोशियल मीडिया साइट वाट्सएप आदि को हैक कर भले ही कुछ समय के लिए ही हो पर हैंकरों ने अपनी ताकत दिखा ही दी।

सवाल यह नहीं है कि पेजर विस्फोट से कितने लोग मरें या हताहत हुए, सवाल यह भी नहीं है कि इसके लिए निर्माता कंपनी दोषी है या हैक करने वाले, सवाल यह भी नहीं हैं कि आपसी बदले की भावना से यह किया गया है या अन्य कोई कारण, सवाल यह भी नहीं है कि यह किसके द्वारा करवाया गया है। सवाल सीधा-सीधा यह है कि आर्थिक उदारीकरण के दौरान दुनिया सिमट के रह गई है। अधिकांश जरुरत की चीजों में चिपों का इस्तेमाल आम है। इलेक्ट्रोनिक्स और इलेक्ट्रिकल क्रांति के इस युग में देखा जाए तो फिर कुछ भी सुरक्षित नहीं है। पेजर तो एक बहाना है। यदि इस तरह की संभावनाएं है तो संचार क्रांति के चलते क्या गरीब और क्या अमीर सभी के पास एंड्रोइड मोबाइल आम है। इसके साथ ही कंम्प्यूटर, टेबलेट्स, नोटबुक, लेपटॉप आदि का उपयोग आम है और इनको हैक किया जाना तो आसान माना जाता है। पिछले दिनों जिस तरह से माइक्रोसॉफ्ट को चंद समय के लिए हैक कर दिया गया था या सोशियल मीडिया साइट वाट्सएप आदि को हैक कर भले ही कुछ समय के लिए ही हो पर हैंकरों ने अपनी ताकत दिखा ही दी। हालात तो यह है कि अब तो लक्जरी गाड़ियों में डिवाइस का उपयोग होने लगा है। इसी तरह से घर में दैनिक उपयोग के एसी, फ्रिज, इंडक्शन, अन्य उत्पाद आदि जिस-जिस में भी डिवाइस लगी होती है उसमें सिस्टम में कुछ भी गलत कर सप्लाई करने और कभी भी दुरुपयोग करने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता है। डिजिटल अरेस्ट, साइबर क्राइम आदि जब आज आम होता जा रहा है तो इलेक्ट्रोनिक वारॅरफेयर तो नए जमाने का नया संकट पैदा हो गया। ऐसे में किसी भी सिरफिरे व्यक्ति या आतंकी नेता या देश द्वारा इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे सकता है। यह अपने आपमें मानवता के लिए नया संकट हो गया है। समय रहते इसकी काट बनानी होगी नहीं तो किसी के पागलपन का शिकार निर्दोष लोगों को होना पड़ सकता है। यह अपने आप में गंभीर और चिंतनीय स्थिति है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल गुरूवार 19 सितम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र प्रातः 8:04 तक, वृद्धि योग सायं 7:18 तक, तैतिल करण प्रातः 6:18 तक, चन्द्रमा शुक्रवार प्रातः 5:15 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-कन्या, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग प्रातः 8:04 से आरम्भ होगा। आज अशून्य शयन व्रत, दोज का श्राद्ध है। आज पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:49 तक, चर 10:50 से 12:21 तक, लाभ-अमृत 12:21 से 3:22 तक, शुभ 4:53 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:18, सूर्यास्त 6:24

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ और मानसिक तनाव बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

वृष
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या
नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिवार में आपसी अनबन बढ़ सकती है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

क्या पुरुष प्रजाति खत्म हो जाएगी?

प्रो. अशोक कुमार

यह एक बहुत ही रोचक और विवादास्पद प्रश्न है जिसने हाल के वर्षों में वैज्ञानिकों और आम लोगों दोनों का ध्यान खींचा है।

इस सवाल का जवाब देने के लिए हमें क्रोमोसोम को समझना होगा। महिलाओं के शरीर में दो (एक्स) क्रोमोसोम और पुरुष शरीर में एक और एक (वाय) क्रोमोसोम होता है। महिला और पुरुष के क्रोमोसोम मिलते हैं तो भ्रूण लड़की बनता है और जब (एक्स,वाय) क्रोमोसोम मिलते हैं, तब लड़का पैदा होता है। यानी लड़का पैदा होने के लिए क्रोमोसोम का होना जरूरी है। अगर पुरुषों का क्रोमोसोम खत्म हो जाए, तो फिर लड़के पैदा ही नहीं होंगे सिर्फ लड़कियां पैदा होंगी और फिर इंसान ही नहीं बचेंगे। एक नई रिसर्च में कुछ ऐसा ही खतरा जताया गया है, जो कहती है कि क्रोमोसोम कम होते जा रहे हैं। साइंस अलर्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, रिसर्च कहती है कि इंसान का गुणसूत्र घट रहा है और भविष्य पूरी तरह गायब हो सकता है। हालांकि इसके खत्म होने में लाखों वर्ष लगेंगे। अगर इंसान के विकल्प के तौर पर एक नया जीन विकसित नहीं कर पाता है और क्रोमोसोम का पतन जारी रहता है तो धरती से जीवन ही खत्म हो सकता है। एक नए जीन के विकसित होने की उम्मीद प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस में 2022 में पब्लिश एक रिसर्च पेपर से जगी है। इसमें बताया गया है कि कैसे कांटेदार चूहे ने एक नया पुरुष-निर्धारण जीन विकसित किया है। ये एक वैकल्पिक संभावना का इशारा करती है, जो कहती है कि मनुष्य एक नया लिंग निर्धारण जीन विकसित कर सकता है। हालांकि ये बहुत सीधा नहीं है और इसके विकास में कई जोखिम भी साथ आएंगे। यानी इसे अभी विकल्प मान लेना जल्दीबाजी होगी। क्रोमोसोम मानव लिंग का निर्धारण कैसे करता है?

महिला और पुरुषों में एक एक्स और एक वाई क्रोमोसोम होता है। एक्स में लगभग 900 जीन होते हैं, वहीं वाय में कुछ करीब 55 जीन और बहुत सारे गैर-कोडिंग डीएनए होते हैं। वाय क्रोमोसोम एक पंच पैक करता है क्योंकि इसमें एक महत्वपूर्ण जीन होता है जो भ्रूण में पुरुष विकास को शुरू करता है। गर्भधारण के 12 सप्ताह बाद यह मास्टर जीन दूसरे जीनों पर स्विच करता है। ये भ्रूण का पुरुष हार्मोन बनाता है जो यह सुनिश्चित करता है कि बच्चे का विकास एक लड़के के रूप में हो। रिसर्च कहती है कि दोनों क्रोमोसोम में असमानता बढ़ रही है। बीते 166 मिलियन वर्षों में वाय क्रोमोसोम ने 900-55 सक्रिय जीन खो दिए हैं। यह प्रति दस लाख वर्ष में पांच जीनों का नुकसान है। इस दर से आखिरी 55 जीन 11 मिलियन वर्षों में खत्म हो जायेंगे। वाय क्रोमोसोम के कम होने ने वैज्ञानिकों को चिंता में डाल दिया है।

गुणसूत्र क्यों छोटा हो रहा है?

सभी जीवों में जैविक विकास होता रहता है। इसी प्रक्रिया के दौरान गुणसूत्र में कुछ बदलाव होते हैं। अन्य गुणसूत्रों के मुकाबले गुणसूत्र में जीन पुनर्संयोजन की दर कम होती है। इसका मतलब है कि इसमें उत्परिवर्तन और मरम्मत की प्रक्रियाएं धीमी होती हैं। प्राकृतिक चयन के कारण भी गुणसूत्र में कुछ बदलाव होते हैं।

हालांकि क्रोमोसोम के सिकुड़ने की बात चिंता का विषय है, वैज्ञानिकों का मानना है कि मानव पुरुषों के विकास में गुणसूत्र एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन यह गुणसूत्र धीरे-धीरे लुप्त होता जा रहा है। इसके कारण पुरुषों में बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है इस पुरुषों की आयु कम हो सकती है! यह अक्सर कहा जाता है कि पुरुष प्रजाति खत्म हो सकती है।

क्या पुरुष प्रजाति खत्म होगी?

हालांकि, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि पुरुष प्रजाति पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। कई वैज्ञानिकों का मानना है कि क्रोमोसोम के सिकुड़ने की प्रक्रिया लाखों सालों से चल रही है और अभी भी यह क्रोमोसोम अपने महत्वपूर्ण कार्यों को अंजाम दे रहा है।

कुछ वैज्ञानिकों का यह भी मानना है कि क्रोमोसोम पूरी तरह से गायब होने के बजाय, यह एक नए रूप में विकसित हो सकता है।

क्या हैं इस बात के संकेत? अन्य जीवों में: कुछ जीवों में क्रोमोसोम पहले ही गायब हो चुका है, लेकिन ये प्रजातियां अभी भी मौजूद हैं। क्रोमोसोम न केवल पुरुष लक्षणों के लिए, बल्कि कई अन्य जैविक प्रक्रियाओं के लिए भी ज़िम्मेदार होता है। मानव शरीर एक जटिल प्रणाली है और विकास एक धीमी और लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। यह कहना मुश्किल है कि भविष्य में क्या होगा। जीव विकास एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है और इसमें प्रजातियां बदलती रहती हैं।

निष्कर्ष:– लेकिन, यह प्रक्रिया इतनी धीमी है कि इसका असर आने वाले कुछ लाख वर्षों में ही दिखाई देगा। लेकिन यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि पुरुष प्रजाति पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। इस विषय पर अभी और शोध किए जाने की आवश्यकता है।

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय

रूंध इकरन की अपना घर नंदीशाला में डेढ़ से दो फीट तक पानी भरा

- **ग्रामीण क्षेत्रों से आ रहे पानी के कारण शेड़ों में डेढ़ से दो फीट तक पानी भर गया है**
- **नंदीशाला में गौमाता को पानी भरी शेड़ों में ही चारा खाना पड़ रहा है**
- **गौवंश को गौशाला परिसर में बनी सड़कों पर बेरीकेटिंग लगा रखा जा रहा है**

भरतपुर, (निसं)। अपना घर नंदीशाला रूंध इकरन में पीछे ग्रामीण क्षेत्रों से आ रहे पानी के कारण शेड़ों में डेढ़ से दो फीट तक पानी भर गया है, जिससे गौमाता को पानी भरी शेड़ों में ही चारा खाना पड़ रहा है, जिसके लिए गौशाला प्रशासन द्वारा कुछ शेड़ों से गौवंश को दूसरे शेड़ो में पहुंचा दिया है लेकिन स्थान अभाव के कारण 4 शेड़ों में अभी भी गौपालकों द्वारा भरे पानी में जाकर चारा डालना पड़ रहा है तथा गौवंश भी पानी में खडे होकर ही चारा खाने को मजबूर हैं।

चारा खिलाने के बाद गौवंश को गौशाला परिसर में बनी सड़कों पर बेरीकेटिंग लगा कर रखा जा रहा है। यह पानी गौशाला में सात दिन पूर्व आया था लेकिन पिछले 24 घंटे में एक फीट पानी का स्तर बढ़ गया है, अगर पानी पीछे से आता रहा तथा निकास नहीं हुआ तो यह जलस्तर बढ़ेगा तथा गौवंश को रखना असुविधाजनक होगा। पानी आने का कारण किसान फसल बुवाई के कारण सड़क काटकर पाइप लाइन डाल रहे हैं तथा यह पानी गांव रूंध इकरन, इकरन में आकर एकत्रित हो रहा है, जो कि अपना घर प्रभु प्रकल्प तक पहुंच गया है अगर जलस्तर दो फीट और बढ़ता है तो अपना घर प्रभु प्रकल्प में पानी घुस जायेगा।

गौमाता को पानी भरी शेड़ों में ही चारा खाना पड़ रहा है।

प्रशासन द्वारा भी इसे निकालने के लिए नाला खुदवाया जा रहा है जिसमें एक पोकलेन एवं एक जेसीबी लगी है। ये नाला करीब दो किलोमीटर खोदना है तथा पानी को खैमरा के निकट नहर में डालने की प्रक्रिया की जा रही है, लेकिन इसे खुदने में अधिक समय लगता है तो पानी की आवक को देखते हुए गौशाला में परेशानी सबब बनेगा, इससे निपटने के लिए अपना घर द्वारा आपातकालीन सेवासाथियों की टीम बना दी गई है तथा गौशाला में भी जगह-जगह पाइप लाइन डालकर पानी निकासी के प्रयास किये जा रहे।

शव को शमशान तक ले जाने के लिए नावों का उपयोग करने को मजबूर हैं ग्रामीण

उदयपुर शहर से मात्र 80 कि.मी. दूर खेरवाड़ा के लराठी गांव में बुजुर्ग महिला के शव को नाव में रखकर नदी पार कर शमशान ले जाया गया

- **ग्रामीणों के अनुसार लराठी ग्राम पंचायत के पालिया, लक्ष्मीपुरा, डोपचाफला व धारूवा फला के ग्रामीणों को शमशान तक जाने के लिए पुलिया तक की सुविधा नहीं है**

उदयपुर, (निसं)। आजादी के सात दशक बाद भी ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित है, यहां तक कि जीवन की अंतिम यात्रा भी मुश्किलों से पूरी करानी पड़ती है। बुधवार को ऐसा ही एक नजारा शहर से मात्र 80 कि.मी. दूर खेरवाड़ा के लराठी गांव में देखा गया जहां एक बुजुर्ग महिला के निधन के बाद उसके शव को नाव में रखकर नदी पार कर शमशान ले जाया गया। सोशल मीडिया पर चल रहे एक वीडियो से यह जानकारी आमजन तक पहुंची। वीडियो में ग्रामीण नाव में शव रखकर ो जाते दिखे हैं। ग्रामीणों ने नाव से सोम नदी को पार कर महिला का अंतिम संस्कार किया। बारिश के समय कागदर बांध भर जाने पर इस गांव में बड़ी समस्या हो जाती है। बुधवार को गांव की गोमनी देवी का निधन होने के बाद ऐसा ही नजारा देखने को मिला।

जब ग्रामीणों ने चार से पांच नावों को नदी किनारे लगाया, जिनमें शव सहित अन्य अंतिम संस्कार की सामग्री लेकर श्मशान पहुंचे। ग्रामीणों के अनुसार लराठी ग्राम पंचायत के पालिया, लक्ष्मीपुरा, डोपचाफला व धारूवा फला के ग्रामीणों को श्मशान तक जाने के लिए पुलिया तक की सुविधा नहीं है। अंतिम संस्कार के लिए लोगों को नाव से नदी पार कर श्मशान स्थल तक जाना पडता है। शव को नाव में रखकर नदी पार करनी पडती है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, तहसील, उपखण्ड, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को भी कई बार इस संबंध में शिकायत की गई, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है।

राघव शर्मा ने थाईलैंड में एशिया पैसिफिक योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में गोल्ड मैडल जीता

- **यूनिवर्सल योगा स्पोर्ट्स फैडरेशन के इंटरनेशनल प्रेसिडेंट ने राघव शर्मा को सर्टिफिकेट व गोल्ड मैडल से सम्मानित किया**

मेड़ता सिटी, (निसं)। मेड़ता के समीपस्थ ग्राम डांगावास के बेटे हाल मुकाम गजानंद नगर जैतारण चौकी मेड़ता सिटी के 12 वर्षीय राघव शर्मा पुत्र पंडित विष्णु शर्मा ने भारतीय योगासन टीम में खेलते हुए देश के लिए गोल्ड मैडल जीता है। भारतीय योगासन टीम के मुख्य कोच व मैनेजर डॉ. एम. निरंजन मूर्ति ने राघव शर्मा के पिता और उसके कोच पंडित विष्णु शर्मा को फोन करके राघव शर्मा के गोल्ड मैडल जीतने की सूचना देकर बधाई दी।

उन्होंने बताया कि राघव शर्मा का हाल ही में भारतीय योगासन टीम में चयन हुआ है, जिसके बाद वह बैंगलोर में प्रशिक्षण ले रहे थे। प्रशिक्षण के उपरांत राघव शर्मा सेकेंड एशिया पैसिफिक योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2024 में खेलने के लिए थाईलैंड के लिए रवाना हुए। 14 से 20 सितंबर तक थाईलैंड के पटाया शहर में ग्रैंड पेलाजो में आयोजित एशिया पैसिफिक योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2024 में राघव शर्मा ने भारतीय योगासन टीम में सब जूनियर बॉयज कैटेगरी (10-12 आयु वर्ग) में देश के लिए खेलते हुए आर्टिस्टिक सोलो इवेंट में गोल्ड मैडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है। यूनिवर्सल योगा स्पोर्ट्स फैडरेशन के द्वारा थाईलैंड में आयोजित सेकेंड एशिया पैसिफिक चैंपियनशिप 2024 में भारत सहित एशिया महाद्वीप के विभिन्न देशों ने भाग लिया। यूनिवर्सल योगा स्पोर्ट्स फैडरेशन के इंटरनेशनल प्रेसिडेंट कुमार सुरेश ने राघव शर्मा को फर्स्ट रैंक मिलने पर सर्टिफिकेट व गोल्ड मैडल पहनाकर सम्मानित किया। राघव शर्मा ने गोल्ड मैडल पाकर तिरंगा लहराकर खुशी व्यक्त की। राघव शर्मा ने योगासन के क्षेत्र में नागौर जिला व राजस्थान राज्य सहित पूरे भारत का नाम रोशन किया हैं। राघव शर्मा पिछले 5 वर्षों से योगासन सीख रहे हैं और योग की विभिन्न मुद्राओं में विशेष महारथ हासिल की है। उल्लेखनीय है कि राघव शर्मा ने अब तक जिला, राज्य व राष्ट्रीय योगासन की विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेकर 9 गोल्ड व 2 सिल्वर मैडल सहित कुल 11 मैडल जीते हैं। राघव शर्मा ने यह नौवां गोल्ड मैडल जीता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार खेलते हुए राघव शर्मा ने गोल्ड मैडल जीतकर देश का नाम रोशन किया हैं। राघव शर्मा पिछले तीन वर्षों से लगातार नेशनल टूर्नामेंट के लिए चयनित हो रहे हैं। और राघव शर्मा ने बताया कि उसकी इस सफलता में उसके कोच, प्रशिक्षक व मार्गदर्शक मंडल का विशेष सहयोग रहा है। राघव शर्मा ने सीपी पुरोहित, सरिता पुरोहित, विष्णु शर्मा, घनश्याम चौधरी, घनश्याम सांखला, शिवराज सांखला, चंद्रभान सिंह, सुमित सिंह आदि योग गुरुओं का आभार प्रकट किया है, जिन्होंने समय-समय पर राघव शर्मा का मार्गदर्शन किया और योग के क्षेत्र में विशेष सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया है। राघव शर्मा ने बताया कि उसके दादाजी व सेवानिवृत आयुर्वेद चिकित्सक वैद्य मधुसूदन शर्मा के विशेष मार्गदर्शन से भी सफलता प्राप्त हुई है, जिन्होंने राघव के लिए विशेष डाइट प्लान तैयार करवाया और सदैव योगासन करने के लिए प्रेरित करते रहे हैं। राघव शर्मा की इस सफलता पर पूरे परिवार सहित ग्राम डांगावास व मेड़ता के नागरिकों ने खुशी व्यक्त की हैं।

राघव शर्मा